वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 64 | शुक्रवार 28 जून 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्य स्तरीय सामाजिक सुरक्षा पेंशन वृद्धि राशि हस्तांतरण कार्यक्रम : राजस्थान प्रथम बने, यही राज्य सरकार का संकल्प

राजस्थान को अग्रणी बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोडेंगे, हम जो वादा करते हैं, उसको पूरा भी करते हैं: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्पित, 88 लाख से अधिक पेंशनरों के बैंक खातों में 1037 करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधी हस्तांतरित

झुंझुनूं/जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सभ्य एवं विकसित समाज सभी वर्गों के विकास के लिए संवेदनशील रहता है। सामाजिक सुरक्षा के रूप में पेंशन जरूरतमंद को आर्थिक संबल देता है साथ ही उन्हें मुख्य धारा से जोड़े रखता है। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं का दायरा बढ़ाने के साथ ही पेंशन राशि में भी बढ़ोतरी की है। उन्होंने कहा कि वृद्धजन, एकल नारी, दिव्यांगजनों सहित सभी वर्गों के उत्थान के लिए हमारी सरकार कतृसंकल्पित है तथा इनके सामाजिक सुरक्षा के आवरण को कमजोर नहीं होने देगी। शर्मा गुरूवार को झुंझुनूं में राज्यस्तरीय सामाजिक सुरक्षा पेंशन वृद्धि की राशि हस्तांतरण के कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने बटन दबाकर प्रदेश के 88 लाख से अधिक पेंशनरों के बैंक खातों में 1 हजार 37 करोड़ रुपए से अधिक की राशि हस्तांतरित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद और अंत्योदय की संकल्पना को आगे बढ़ाते हुए अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए संकल्पित है। हमारी सरकार मुख्यमंत्री वृद्धजन सम्मान पेंशन योजना, मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान पेंशन योजना, मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन सम्मान पेंशन योजना, लघु एवं सीमांत वृद्धजन कृषक सम्मान पेंशन योजना के जरिये जरूरतमंदों को आर्थिक संबल प्रदान कर रही है।

2 लाख 41 हजार से अधिक नए लाभार्थी पेंशन योजनाओं से जुड़े

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में राशि को 1 हजार रूपए से बढ़ाकर 1150 रूपए की है और इसमें चरणबद्ध रूप से वृद्धि की जाएगी। संकल्प पत्र के हर एक वादे को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा वर्तमान में लगभग 88 लाख से अधिक लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अन्तर्गत लाभान्वित किया जा रहा है। हमारी सरकार ने गठन के 6 माह के अल्प समय में 2 लाख 41 हजार से अधिक नए लाभार्थियों को इन पेंशन योजनाओं से जोड़ा है। साथ ही, झुंझुनूं जिले में 2 लाख 74 हजार से अधिक लोगों को पेंशन का लाभ मिल रहा है, जिन्हें पेंशन के रूप में हर महीने 32 करोड़ 27 लाख रुपये हस्तांतरित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन पेंशन योजनाओं में डिजीटलकृत प्रक्रिया अपनायी जा रही है, जिससे आज पेंशनर्स को बिना किसी परेशानी के योजनाओं का लाभ सुनिश्चित हो रहा है।

प्रधानमंत्री की गारंटी और प्रदेश सरकार का संकल्प हुआ पूरा

शर्मा ने कहा कि आजादी के बाद कुछ राजनीतिक दलों द्वारा झूठे वादे किए गए तथा तुष्टिकरण की राजनीति एवं भ्रष्टाचार कर आमजन को गुमराह किया गया है लेकिन पिछले 10 वर्षों से यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में देश में गरीब कल्याण, सीमा सुरक्षा तथा आर्थिक सशक्तीकरण के विभिन्न निर्णय लिए गए हैं, जिससे विदेशों में भारत का सम्मान बढ़ा है। राज्य सरकार ने पीएम किसान सम्मान निधि के तहत राशि 6 हजार रुपये से बढ़ाकर 8 हजार रुपये करने, गेहूं के एमएसपी पर 125 रुपये का बोनस देकर इसे 2,400 रुपये प्रति क्विंटल करने, 450 रुपए में गैस सिलेण्डर जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं, जिससे हर वर्ग को राहत मिली है। साथ ही, प्रधानमंत्री की गारंटी तथा प्रदेश सरकार का संकल्प पूरा हुआ है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए लाभार्थियों से संवाद भी किया। लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री को योजना के तहत राशि बढ़ाए जाने पर बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया। बीकानेर से मुख्यमंत्री एकल नारी पेंशन योजना की लाभार्थी कौशल्या ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि पेंशन में की गई राशि बढ़ोतरी से हमें आर्थिक संबल मिला है। ब्यावर से मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन सम्मान पेंशन योजना के लाभार्थी रामरत्न ने कहा कि ''पेंशन री राशि बढ़ावा वास्ते घणा हेत सूं.., घणा कोर सूं.., घणा मान सूं... आपरो आभार।'' इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने खेल मैदान में अशोक के पौधे का रोपण भी किया। कार्यक्रम में देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाना, विधायक विक्रम सिंह जाखल, धर्मपाल गुर्जर आदि उपस्थित रहे। साथ ही सभी जिला मुख्यालयों से स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं लाभार्थी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समारोह से जुड़े।

प्राकृत भाषा, ब्राह्मी लिपि कार्यशाला का आयोजन

जैन दंपती ने गंगा तट पर नई पीढ़ी को विश्व की सर्वप्राचीन ब्राह्मी लिपि एवं सर्वप्राचीन प्राकृत भाषा सिखाई। डॉ. मुन्नी पुष्पा जैन ने अपने जन्मदिवस को ब्रह्मी संरक्षण दिवस के रूप में मनाया

बनारस. शाबाश इंडिया

सर्वविद्या की राजधानी है और काशी के गंगा नदी के सुप्रसिद्ध घाट अस्सी में आये दिन देश की संस्कृति,ज्ञान विज्ञान से संबंधित भव्य आयोजन होते रहते हैं। जैनधर्म के चार तीर्थंकरों की जन्मभूमि एवं माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में ब्रह्मी लिपि सिखाने की मूल भावना सफल हुई और नेपाल, बंगाल, गुजरात , विहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, दक्षिण, मध्यप्रदेश आदि से आए पर्यटकों एवं बनारस के विभिन्न विद्यालय एवं विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति, शिलालेखों को समझने के लिए विश्व की सबसे प्राचीन लिपि एवं सभी लिपियों की जननी ब्राह्मी लिपि एवं सर्वप्राचीन प्राकृत भाषा को मां गंगा के सानिध्य में अस्सी घाट पर उत्सुकता के साथ सीखा ।पर्यटकों एवं विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति-भाषा-लिपि को सहज-सरल तरीके सी सिखाने के लिए और कार्यशाला के आयोजन की अत्यधिक प्रशंसा की। सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, जैनदर्शन विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष, भारतीय संस्कृति-भाषा एवं लिपि का संरक्षण-संवर्धन करने वाले , राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित प्रो. फूलचंद जैन प्रेमी जी, ब्राह्मी लिपि विशेषज्ञा, आदर्श महिला सम्मान से सम्मानित विदुषी डॉ. मुन्नी पुष्पा जैन एवं नवीन संसद भवन में काशी का प्रतिनिधित्व करने वाली, जैनधर्म की राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि विदुषी डॉ. इन्दु जैन राष्ट्र गौरव (दिल्ली) ने भारतीय भाषा एवं लिपि की मूल भावना से जन-जन को जोड़ने के लिए प्राकृत भाषा, ब्राह्मी लिपि की सफल कार्यशाला का आयोजन किया । डॉ. मुन्नी पुष्पा जैन ने अपने जन्मदिवस को तीन दिवसीय कार्यशाला के माध्यम से ब्राह्मी लिपि संरक्षण दिवस के रूप में मनाया। डॉ. जैन ने बताया कि जैनधर्म के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ ने राजा ऋषभदेव के रूप में प्रागैतिहासिक काल में सर्वप्रथम अयोध्या पर राज्य किया था और उन्होंने ही सर्वप्रथम सभी प्रजा जन को असि-मसि- कृषि- विद्या- वाणिज्य-शिल्प आदि छह कलाएं सिखाकर जीवन जीने की एवं निर्वहन करने की कला सिखाई थी और राजा ऋषभदेव ने सर्वप्रथम स्त्री शिक्षा का उद्घोष करते हुए अपनी पुत्री ब्राह्मी को लिपि विद्या एवं पुत्री सुंदरी को अंक (गणित) विद्या सिखाई थी । अंक विद्या का विकास आज गणित के रूप में है और अक्षर विद्या ब्राह्मी लिपि के नाम से प्रसिद्ध हुई और इसी लिपि से देवनागरी आदि सभी लिपियों का जन्म और विकास हुआ है । सर्वप्राचीन प्राकृत भाषा का महत्त्व एवं इससे कैसे भाषाओं का विकास हुआ, कैसे भारत का नाम राजा ऋषभदेव के ज्येष्ठ पुत्र चक्रवर्ती सम्राट भरत के नाम पर पड़ा और कैसे प्राचीन हाथीगुंफा शिलालेख में प्राकृत भाषा और ब्राह्मी लिपि में लिखा हुआ भारत नाम प्राचीन विद्या सीखकर विद्यार्थी पढ़ सकते हैं ये सभी तथ्य सहज-सरल ढ़ंग से समझाएं गए । सभी विद्यार्थी ब्राह्मी लिपि में अपना नाम लिखकर एवं प्राकृत भाषा के विषय में समझकर प्रसन्न हुए। प्रो. फूलचंद जैन प्रेमी ने प्राकृत भाषा के महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डाला और बताया कि तीर्थंकर महावीर ने भाषाई क्रांति कर अपने उपदेश उस समय की जन भाषा प्राकृत में दिए इससे प्रत्येक मनुष्य में आत्मा से परमात्मा बनने का विश्वास पैदा हुआ ।प्राचीन समय अनेक शास्त्रों की भाषा प्राकृत थी और कालिदास एवं अन्य प्राचीन कवियों ने संस्कृत में लिखे गए नाटकों में अधिकतर प्राकृत भाषा का प्रयोग किया।प्राकृत भाषा को जीवंत बनाए रखने के लिए नई पीढ़ी को इसे पढ़ना आवश्यक है ताकि वे सभी भाषाओं की जननी प्राकृत भाषा से रूबरू हो सकें , प्राकृत भाषा के वैभव को समझ सकें , प्राचीन शिलालेख और को पढ़ सकें और आगम ग्रंथों में लिखी जीवन मूल्यों की गाथाओं को पढ़कर जीवन जीने की कला सीख सकें ।

प्रथमाचार्य श्री 108 शांतिसागरजी की जनकपुरी में मनायी गई 152वी जयंती

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर में गुरुवार को आचार्य शशांक सागर जी के सानिध्य में चारित्र चक्रवर्ती, समाधि सम्राट, गुरुनांगुरु, धर्मसाम्राज्यनायक, उपसर्ग विजेता, प्रथमस्मरणीय, युग प्रवर्तक महान आत्मा आचार्य श्री 108 शांति सागर जी महाराज के समक्ष दीप प्रज्वलित कर अर्घ्य समर्पित करते हुए 152वा जयंती दिवस नमोस्तु, नमोस्तु, नमोस्तु बोलते हुए मनाया गया।

मनाया गया मुनि 108 संदेश सागर का दीक्षा दिवस: प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि इधर आचार्य श्री सिद्धांत सागर जी द्वारा मुंबई में दीक्षित संघस्थ मुनि श्री 108 संदेश सागर जी महाराज ने अपने दीक्षा दिवस पर गुरु आचार्य शशांक सागर जी के पाद प्रक्षालन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। भक्त जनों ने इनका तेवीसवा दीक्षा दिवस पाद प्रक्षालन ,शास्त्र भेंट कर प्रबंध समिति, महिला मंडल व युवा मंच के साथ श्रद्दालुओं द्वारा भक्ति भाव के साथ मनाया गया।

बारहवें तीर्थंकर वासुपूज्य भगवान का गर्भ कल्याणक एवं तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमलनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया

फागी. शाबाश इंडिया। फागी कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चौरू, नारेडा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया एवं लदाना सहित कस्बे के आदिनाथ मंदिर, बीचला मंदिर, मुनि सुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर,पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के बारहवें तीर्थंकर वासुपूज्य भगवान का गर्भ कल्याणक महोत्सव एवं तेरहवें तीर्थंकर विमल नाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज फागी के अध्यक्ष महावीर झंडा एवं मंत्री कमलेश चोधरी ने अवगत कराया कि कस्बे के पार्श्वनाथ चैत्यालय में आज प्रातः श्रावकों द्वारा श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा, अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना करने के बाद चोबीस तीर्थंकरों,पंचपरमेष्ठी, एवं पूवार्चार्यों कि पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई तथा कार्यक्रम में सामूहिक रूप से श्रीजी की महाशांति धारा की गई तथा जैन धर्म के बारहवें तीर्थंकर वासु पूज्य भगवान का गर्भ कल्याणक महोत्सव का सामूहिक रूप से अर्घ्य चढ़ाने के बाद तेरहवें तीर्थंकर विमल नाथ भगवान का जयकारों के साथ भक्ति भाव से मोक्ष कल्याणक श्लोक का उच्चारण करते हुए मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। कार्यक्रम में समाज के वयोवृद्ध कपूरचंद मांदी वाले, सोहनलाल झंडा, अग्रवाल समाज फागी के अध्यक्ष महावीर झंडा, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा,महावीर जैन लदाना,सुरेश मांदी, शिखर मोदी,सुरेश डेठानी, धर्मचंद पीपलू, कन्हैयालाल सिंघल, रतन नला,पारस नला, टीकम गिंदोडी, अनिल कुमार कठमाना, अशोक कागला, पारस मोदी, राजकुमार नला,विनोद मोदी, त्रिलोक पीपलू, सुनील मोदी,कमलेश चोधरी तथा राजाबाबू गोधा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

मलिन वृत्ति वाला पशु शूकर भी तीर्थंकर विमलनाथ के चरणों में आश्रय लेकर 'वराह' कहलाने लगा : आचार्य शशांक सागर

आचार्य शशांक सागर जी के सानिध्य में जनकपुरी में तीर्थंकर विमल नाथ के मोक्ष कल्याणक पर आयोजित हुआ चावल के सुंदर मण्डल पर विधान

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर में गुरुवार को भगवान के श्री चरणों में धर्म प्रभावना की भावना के साथ तीर्थंकर विमलनाथ के मोक्ष कल्याण पर आचार्य श्री शशांक सागर जी ससंघ के पावन सानिध्य में निर्वाण लाडू समर्पित किया गया। प्रबंध समिति के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला के बताया कि जैन धर्म के तेरहवें तीर्थंकर भगवान श्री विमलनाथजी का जन्म कम्पिलाजी में इक्ष्वाकु वंश के राजा कृतवर्म की पत्नी माता श्यामा देवी के गर्भ से माघ शुक्ल तृतीया को उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में हुआ था। विमलनाथजी के शरीर का रंग सुवर्ण था और इनका चिह्न मलिनता का प्रतीक शूकर है। आचार्य शशांक सागर जी ने कहा कि ऐसे मलिन वृत्ति वाला पशु जब विमलनाथ भगवान के चरणों में आश्रय लेता है तो वह 'वराह' कहलाने लगता है।आज के ही दिन वासुपूज्य भगवान का गर्भ कल्याण का अर्घ्य चढ़ाया गया। मन्दिर जी में प्रातः नित्य अभिषेक व शांति धारा के बाद अर्घ्य बोलते हुए पूजन की गई । विमल नाथ का निर्वाण शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखर जी में हुआ था । निर्वाण काण्ड बोलकर जयकारों के साथ मोक्ष कल्याण अर्घ्य बोलते हुए प्रदीप मीना चाँदवाड परिवार तथा समाज जनों ने निर्वाण लाडू समर्पित किया। इसके बाद आचार्य शशांक सागर जी के सानिध्य में चावल से निर्मित सुंदर मंडल पर भक्त जनों द्वारा भगवान विमल नाथ का विधान पूजन की गई।

JSG Jain Social Groups International Federation

जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ जयपुर

श्री महेन्द्र-श्रीमती अनीता जैन

सदस्य जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ जयपुर

28 जून' 24

Happy Anniversary

9414381953

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष : सुनील सोगानी, आई पी पी : राहुल जैन
संस्थापक अध्यक्ष : मनीष झांझरी
पूर्व अध्यक्ष : अभय गंगवाल, पूर्व अध्यक्ष : संजय जैन
उपाध्यक्ष : अजय बड़जात्या, सचिव : विशुतोष चाँदवाड
सह सचिव : महेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष : सुकेश काला

एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ, जयपुर

गौ माता सेवार्थ ग्रुप, दुर्गापुरा गौशाला, जयपुर द्वारा

रक्तदान शिविर

GIVE BLOOD GIVE LIFE

रविवार 30 जून 2024
प्रातः 8 से 2 बजे तक

स्थान : दुर्गापुरा गौशाला, टोंक रोड, जयपुर

• क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।। •

सम्पर्क सूत्र
अशोक जैन 9314186966
गोपी अग्रवाल, भीमराज कांकरवाल

संयोजक
कमल अग्रवाल, सतीश गोयल, हनुमान सोनी, राकेश गोदिका, दिनेश अग्रवाल, नीरज बंसल, कैलाश खंडेलवाल, कुशल अग्रवाल, मनोज सर्राफ, पुष्पेन्द्र अग्रवाल, राजकुमार रोहिल्ला, राकेश गट्टानी, लक्ष्मीकांत जी, शैलेन्द्र शर्मा, शैलेन्द्र अग्रवाल, राहुल जैन

निवेदक : राकेश-समता गोदिका, अध्यक्षः सोशल एंड ब्लड एड सोसायटी

वेद ज्ञान

सच्ची सेवा

आनंद की प्राप्ति का स्थान संसार का कोई भी भौतिक सुख या उपलब्धि नहीं ले सकती। सेवा मानव हृदय के भीतर उत्पन्न होने वाला मिशनरी भाव है। सेवा का उद्देश्य पाना नहीं, बल्कि प्राण पण से अपने आराध्य या फिर अभीष्ट को समर्पित करना है। इसका पारितोषिक, भौतिक नहीं, बल्कि अभौतिक व अनुभूतिपरक होता है। शाश्वत आनंद प्रदान करने वाला परम तत्व अनमोल है। शाश्वत खुशी देने वाले हृदयकोश में परम तत्व की अनुभूति होती है। सच तो यह है कि आनंद की प्राप्ति का स्थान संसार का कोई भी भौतिक सुख या उपलब्धि नहीं ले सकती। नौकरी भी किन्हीं अर्थों में सेवा की ही अनुगामिनी या सहचर है, किंतु इससे मिलने वाला पारितोषिक भौतिक रूप में उपस्थित होकर क्षणिक सुख की सृष्टि रचता है और दूसरे ही क्षण इसकी प्राप्ति अथवा लब्धि से अतृप्ति, असंतोष, निराशा, घृणा, पश्चाताप, चंचलता, अरुचि और अन्यान्य नकारात्मक भाव पैदा होने लग जाते हैं। नौकरी भौतिक उन्नति या प्राप्ति की प्रत्याशा से किया जाने वाला कार्य है जिसमें समर्पण, अपनत्व, श्रद्धा व सेवा से कहीं अधिक स्वार्थपरायणता, भौतिक प्राप्ति की उत्कंठा या जिज्ञासा समाहित रहती है। नौकरी से मिले पारितोषिक से जीवन की खुशी का ग्राफ ऊपर-नीचे होकर मन को उसी अनुपात में उद्वेलित होता है। भौतिकता केंद्रित नौकरी संसार रूपी भवसागर में गोते खाने के लिए बाध्य करती रहती है, जबकि स्वार्थरहित सेवा अलौकिक आनंद के लोक का मार्ग प्रशस्त करती है। सेवा ईश्वर का स्थायी सानिध्य पाने का आनंददायी मार्ग है और नौकरी स्वयं की दुर्लभ प्रतिभा को भौतिक स्वार्थों तक ही सीमित रखती है। सच्ची सेवा स्वयं के इस भौतिक अभिनय के बंधनों को काटकर ईश्वर के साथ तादात्म्य स्थापित करने का एक स्थाई प्रमाण पत्र है। आइए निश्चय करें कि शाश्वत व वास्तविक आनंद का मार्ग नौकरी है या आनंददायी सेवा? मैं इस संदर्भ में यह बात कहना चाहूंगा कि किसी संस्थान या प्रतिष्ठान में नौकरी करने का सांसारिक व भौतिक पहलुओं के मद्देनजर अपना महत्व है। रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा और स्वास्थ्य संरक्षण के संदर्भ में धन की जरूरत होती है। इस तथ्य को नकारा नहींजा सकता, लेकिन मौजूदा संदर्भ में सेवा के महत्व और उससे मिलने वाले संतोष को रेखांकित करने के लिए निस्वार्थ सेवा की तुलना में नौकरी को वरीयता कम दी गई है।

संपादकीय

कनाडा में आतंक का महिमामंडन

वैश्विक स्तर पर लोकतंत्र की बात और अपने देश में प्रकारांतर से आतंकवाद का समर्थन और महिमामंडन मानो कनाडा की फितरत होती जा रही है। पिछले कुछ समय से यह लगातार देखा जा रहा है कि एक ओर कनाडा भारत के साथ द्विपक्षीय सहयोग का संबंध मजबूत करने की दुहाई देता है और दूसरी ओर वह भारत के खिलाफ आतंकी तत्त्वों को संरक्षण देता है, उनके लिए सहानुभूति का सार्वजनिक प्रदर्शन करता है। हालांकि कनाडा के

इस चेहरे को समझना अब मुश्किल नहीं रह गया है और एक तरह से यह भारत के लिए सजग रहने का वक्त है। यही वजह है कि आतंकवादियों के प्रश्रय देने के कनाडा के रुख के मद्देनजर अब भारत ने भी स्पष्ट प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया है। वर्ष 1985 के कनिष्क बम विस्फोट की उनतालीसवीं बरसी पर कनाडा में आतंकवाद का महिमामंडन करने वाली गतिविधियों को निंदनीय करार देते हुए भारत ने साफ शब्दों में कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसी कार्रवाइयों को वहां इजाजत दी जाती है, जबकि शांतिप्रिय देशों और लोगों की ओर से आतंकवादी गतिविधियों की निंदा की जानी चाहिए। गौरतलब है कि कनिष्क बम विस्फोट की घटना में एअर इंडिया के विमान में सवार तीन सौ उनतीस लोगों की जान चली गई थी। मरने वालों में ज्यादातर भारतीय मूल के कनाडाई थे। माना जाता है कि उस समय के खालिस्तान समर्थक आतंकवादी तत्त्व कनिष्क बम विस्फोट की घटना के लिए जिम्मेदार थे। इसके बावजूद कनाडा पर खालिस्तान समर्थकों को संरक्षण देने के आरोप लगते रहे हैं। आमतौर पर कनाडा इन आरोपों से इनकार करता रहा है, मगर वह इस सवाल का जवाब नहीं दे पाता कि अगर वह आतंकवाद में विश्वास रखने वालों को प्रश्रय नहीं देता है तो वहां की संसद तक में किसी खालिस्तानी तत्त्व की याद में गतिविधियां क्यों आयोजित होती हैं। हाल ही में खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की याद में कनाडा की संसद में ''एक मिनट का मौन'' रखा गया था, जिसकी भारत ने तीखी आलोचना की थी। विचित्र यह है कि कनाडा की ओर से भारत के साथ कई मुद्दों पर साथ होने और आर्थिक-राष्ट्रीय सुरक्षा पर चर्चा करने की दुहाई दी जाती है और साथ ही वहां की संसद में खालिस्तान समर्थकों की हिमायत में 'एक मिनट का मौन' रखा जाता है। सवाल है कि दूसरे देशों में लोकतंत्र की लड़ाई का पक्ष लेने के दावे के समांतर कनाडा किस तर्क पर अपने देश में अलगाववादी तत्त्वों को संरक्षण देता है, उनके प्रति सहानुभूति का रुख रखता है। क्या वह इस तथ्य से अनजान है कि इस मसले पर भारत के सामने कैसी चुनौतियां खड़ी हैं? क्या यह परोक्ष रूप से भारत जैसे देश की संप्रभुता में दखल नहीं है? यह रवैया रखते हुए कनाडा भारत के साथ किस तरह के सहयोग की अपेक्षा करता है? यह ध्यान रखने की जरूरत है कि आतंकवाद किसी तरह की सीमा, राष्ट्रीयता या नस्ल का खयाल नहीं करता और यह एक ऐसी चुनौती है, जिससे अंतरराष्ट्रीय समुदाय को मिल कर निपटने की जरूरत है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

भारतवंशियों का कमाल

भारत में लोक सभा चुनाव के नतीजे बीती 4 जून को आए और दक्षिण अफ्रीका के उससे मात्र दो दिन पहले 2 जून को। दोनों देशों में मिली-जुली सरकारें बन गई हैं। दक्षिण अफ्रीका से भारत सिर्फ इसलिए ही अपने को भावनात्मक रूप से जोड़कर नहीं देखता है कि वहां लगभग 21 सालों तक गांधी जी रहे। वहां उन्होंने भारतवंशियों और बहुसंख्यक अश्वेत आबादी के हक में लड़ाई लड़ी। दक्षिण अफ्रीका भारत के लिए इसलिए भी विशेष है कि वहां पर करीब 15-16 लाख भारतवंशी बसे हुए हैं। संसार के शायद ही किसी अन्य देश में इतने भारतवंशी हों। दक्षिण अफ्रीका की संसद के लिए हुए हालिया चुनाव भारतीय मूल के बहुत से उम्मीदवार विभिन्न राजनीतिक दलों से भाग्य आजमा रहे थे। उन्होंने संसद और प्रांतीय असेंबलियों में भी जीत दर्ज की। मेरगन शेट्टी लगातार तीसरी बार संसद के लिए चुने गए। क्वाजुलू-नाटाल प्रांतीय विधानसभा की सदस्य शारा सिंह ने राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश किया और संसद सदस्य बन गई। शेट्टी संसद में डेमोक्रेटिक अलायंस (डीए) की सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले भारतीय मूल के सदस्य बताए जाते हैं। उन्होंने पहले 2006 में पीटरमारिट्जबर्ग नगर परिषद का प्रतिनिधित्व किया था। शारा सिंह ने संसद में चुने जाने के बाद स्थानीय सरकार की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। डीए के संसद के लिए 87 सदस्य चुने गए हैं। इनमें से चार भारतीय मूल के हैं। ए. सरूपेन ने लगातार दूसरी बार संसद के चुनाव में जीत हासिल की। सरूपेन के पूर्वज उत्तर प्रदेश से थे। वे गौतेंग प्रांतीय विधानसभा के सदस्य के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। इंकथा फ्रीडम पार्टी के नेता नरेन्द्र सिंह, अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस (एएनसी) की फासीहा हसन, अल जमा आह के इमरान इस्माइल मूसा भी निर्वाचित हुए हैं। गोपाल रेड्डी और शुनमुगम रामसामी मूडली भी संसद पहुंचे हैं। अधिकांश चुने गए भारतीय मूल के सदस्य दक्षिण अफ्रीका में ही पैदा हुए हैं, लेकिन केरल के पथानमथिट्टा जिले के तिरुवल्ला के मूल निवासी अनिल कुमार केसवा पिल्लई ने 40 साल पहले दक्षिण अफ्रीका की स्थानीय राजनीति में खुद को स्थापित किया था। एक युवा शिक्षक के रूप में दक्षिण अफ्रीका पहुंचे पिल्लई शिक्षकों के ट्रेड यूनियन नेता के रूप में उभरे। उन्हें पहली बार 2019 में एएनसी के प्रतिनिधि के रूप में ईस्टर्न केप की प्रांतीय परिषद के लिए चुना गया था। डीए के सदस्य इमरान कीका, एम. नायर और रिओना गोकुल को भी क्वाजुलु-नाटाल की प्रांतीय विधानसभा के लिए फिर से चुना गया है। इस बीच, दक्षिण अफ्रीका के फिर से राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा बन गए हैं। रामाफोसा ने अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस (एएनसी), डेमोक्रेटिक अलायंस (डीए) और अन्य दलों के समर्थन से फिर से राष्ट्रपति पद को संभाला। खैर, भारत दक्षिण अफ्रीका समेत सभी अफ्रीकी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखने का इच्छुक रहा है। कुछ साल पहले राजधानी में हुए भारत-अफ्रीका समिट को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संबोधित किया। उन्होंने कहा था कि भारत और अफ्रीका की युवा होती आबादी पूरे विश्व में नये कीर्तिमान बना सकती है। उन्होंने कहा कि अफ्रीका में निवेश के लिए भारत बड़ा स्रोत है। तब भारत ने अफ्रीकी देशों के लिए 600 मिलियन डॉलर की मदद की घोषणा की थी।

वाक केसरी जैन संत आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर जी मुनिराज का अवतरण दिवस दुर्गापुर पश्चिम बंगाल में मनाया गया

दुगार्पुरा, पश्चिमी बंगाल. शाबाश इंडिया

परम पूज्य राष्ट्रसंत युगप्रतिक्रमण प्रवर्तक भारत गौरव, गणाचार्य,आचार्य श्री १०८ विराग सागर जी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य वाक केसरी संत आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर जी महामुनिराज का 26 जून 2024 दिन बुधवार को पश्चिम बंगाल प्रांत के दुगार्पुर नगर में अवतरण दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया । इस अवतरण दिवस पर संघस्थ शिष्यों के साथ दूर दूर से भक्तगण आकर धर्मलाभ अर्जित किए। दुगार्पुर सकल जैन समाज द्वारा यह पहला व अनोखा आयोजन था। सर्वप्रथम दुगार्पुर जैन महिलाओं द्वारा मंगलाचरण किया गया तत्पश्चात कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। गणाचार्य श्री के चित्र का अनावरण करने का सौभाग्य श्रीमती संगीता जैन दुगार्पुर को प्राप्त हुआ। दीपप्रज्वलन करने का सौभाग्य दिलीप - श्रीमती सरिता जैन दुगार्पुर को प्राप्त हुआ । पुनः कोलकाता जैन समाज की महिलाओं ने मंगलाचरण भजन प्रस्तुत किए। अनुष्का जैन हिन्दमोटर ने नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शोभा को बढ़ाया। मुख्य पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य श्रीमती उषा जैन पाटनी परिवार को प्राप्त हुआ। राजेश पाटनी दुगार्पुर व राजीव जैन रानीगंज ने भी सपरिवार पाद प्रक्षालन किया। मुख्य शास्त्र भेंट कर्ता विनीत पाटनी आसनसोल व अपर शास्त्र भेंट कर्ता कमल पाटनी वर्दवान विमला देवी, बेंगलुरु , जयचंद पाटनी दुगार्पुर,

राजेन्द्र सिंघानिया, विनीता जैन, विमल जैन, महावीर पाटनी, पंकज पाटनी, नीरज पाटनी, राकेश पाटनी मनीष जैन, संगीता जैन, अनिल जैन, अमिता जैन दुगार्पुर वाले थे। इस अवसर पर रजत जाप भेंटकर्ता - मातेश्वरी प्रेमा देवी काला, सुपुत्र संजय ज्योति काला थे। श्री सुबोध - श्रीमती आशा गंगवाल कोडरमा ने अपने मधुर कण्ठों से संगीतमय गुरु पूजन करवाकर सबको अपनी ओर आकर्षित किया । कोलकाता, धनबाद, दुगार्पुर, रानीगंज, आसनसोल, कोडरमा, मैनपुरी, टीकमगढ़, कटेरा, श्रमणोदय तीर्थ दुरगुवाँ जी, भिंड, वर्धमान, ललितपुर, झांसी, आदि स्थानों से पधारे भक्तगणों ने पूजन कर श्रीफल अर्पित किए। कोलकाता पाठशाला के बच्चों द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया ।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में 'श्री आकाश जैन सेठी इनकमटेक्स कमीश्नर कोलकाता निवासी, दुगार्पुर प्रवासी, सपरिवार उपस्थित थे। दुगार्पुर जैन समाज द्वारा सभी का स्वागत एवं सत्कार किया गया। मुख्य रूप से इस कार्यक्रम में विनीत आसनसोल, विकास पाटनी दुगार्पुर,कमल पाटनी वर्दवान, राजीव जैन रानीगंज, संजय काला कोलकाता के साथ जैन युवा सेवा समिति दुगार्पुर का पूर्ण योगदान व सहयोग था। कोलकाता सम्पूर्ण जैन समाज द्वारा चातुर्मात हेतु पुनः श्रीफल भेंट किया गया। इस अवसर पर महाआरती करने का सौभाग्य 'आकाश सेठी सपरिवार (इनकमटैक्स कमिश्ननर)दुगार्पुर को प्राप्त हुआ । श्रीमती बीना पांड्या, कमल पाटनी,संजय काला, सुरेन्द्र काला, श्रीमती दीक्षा जैन ने अपने उद्गार व्यक्त किए। ब्र. निक्की दीदी, ब्र. प्रीति दीदी, ब्र. श्रीपाल भैया,ब्र.राहुल भैया, क्षुल्लक प्रमेश सागर जी, श्रमण प्रसिद्ध सागर जी, श्रमण प्रज्ञान सागर जी, श्रमण प्रत्यक्ष सागर जी, श्रमण प्रांजल सागर जी ने गुरु के प्रति भावांजलि समर्पित किए, अंत में गुरुदेव का आशीर्वचन सभी को प्राप्त हुआ । यह सारा कार्यक्रम का संचालन बाल ब्रह्मचारी नमन भैया सरूरपुर ने किया। इस अवसर पर मुनिसंघ व्यवस्था समिति,कोलकाता के महामंत्री संजय काला, मंत्री-अमित पाटनी, प्रचार मंत्री-सुमित बगड़ा,सभासद सदस्य महेंद्र पाटोदी, पवन ठोल्या,निरंजन बाकलीवाल, पीयूष रारा, संजय कासलीवाल, राजेश बाकलीवाल, आदि सेकड़ो भक्त उपस्थित थे। **-कोडरमा मीडिया प्रभारी राज कुमार जैन अजमेरा**

श्री राकेश-श्रीमती रेणु जी संघी

उपाध्यक्ष दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

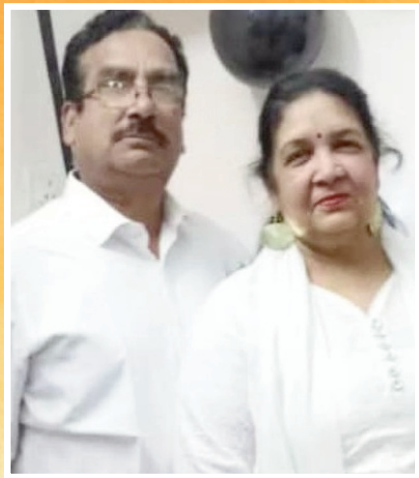

28 जून' 24

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या
संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका
सचिव: राजेश - रानी पाटनी
कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन
सांस्कृतिक सचिव: कमल-मंजू ठोलिया

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

श्री मनीष-श्रीमती नीलम जी पाटनी

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

28 जून' 24

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या
संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका
सचिव: राजेश - रानी पाटनी
कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन
सांस्कृतिक सचिव: कमल-मंजू ठोलिया

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

जैन मंदिरों में गूंजे भगवान वासूपूज्य एवं भगवान विमलनाथ के जयकारे

भक्ति भाव से मनाया जैन धर्म के बारहवें तीर्थंकर भगवान वासूपूज्य का गर्भ कल्याणक एवं तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमलनाथ का मोक्ष कल्याणक-मंदिरों में चढाया निर्वाण लाडू

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के बारहवें तीर्थंकर भगवान वासूपूज्य का गर्भ कल्याणक महोत्सव एवं तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमलनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव गुरुवार, 27 जून को भक्ति भाव से मनाया गया। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए जाकर निर्वाणोत्सव मनाया गया तत्पश्चात जयकारों के बीच निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार प्रातः मंत्रोच्चार के साथ वासूपूज्य एवं विमलनाथ भगवान के जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक किये गए। तत्पश्चात विश्व में सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए मंत्रोच्चार के साथ शांति धारा की गई। भगवान वासूपूज्य की अष्ट द्रव्य से पूजा करते हुए भगवान वासूपूज्य के गर्भ कल्याणक श्लोक का उच्चारण करते हुए गर्भ कल्याणक अर्घ्य चढ़ाया गया। तत्पश्चात भगवान विमलनाथ की पूजा की जाकर पूजा के दौरान निर्वाण काण्ड भाषा के वाचन पश्चात मोक्ष कल्याणक का श्लोक भ्रमरसाढरसी अति पावनों। विमल सिद्ध भये मनभावनों। गिरिसमेद हरी तित पूजिया। हम जजैं इत हर्ष धरें हिया। बोलकर जयकारों के साथ मोक्ष कल्याणक अर्घ्य एवं निर्वाण लाडू चढाया गया। महाआरती के बाद समापन हुआ। श्री जैन ने बताया कि इस मौके पर खो नागोरियान स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शांतिनाथ जी की खोह में प्रातः अभिषेक, शांतिधारा के बाद पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए गए ।इस मौके पर राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, कमल वैद, तपेश पाण्डया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण शामिल हुए। श्री जैन ने बताया कि जनकपुरी के श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में पदम बिलाला के नेतृत्व में निर्वाण लाडू चढ़ाया गया ।आगरा रोड पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र जग्गा की बावड़ी, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरि, मनिहारों का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर संघीजी, आमेर स्थित दिगम्बर जैन नसियां कीर्ति स्तंभ, दुगार्पुरा स्थित श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर,मोती सिंह भोमियो का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर जीऊबाईजी, सांगानेर स्थित दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी ,अतिशय क्षेत्र बाडा पदमपुरा, अतिशय क्षेत्र छोटा गिरनार सहित शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में विशेष आयोजन किए जाकर निर्वाण लाडू चढ़ायें गये।

सोमवार को जैन धर्म के 21 वें तीर्थंकर भगवान नमिनाथ का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव मनाएंगे: राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि सोमवार, 01 जुलाई को जैन धर्म के इक्कीसवें तीर्थंकर भगवान नमिनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव भक्ति भाव से मनाया जाएगा।

जैन मंदिरों में गूंजे भगवान वासूपूज्य एवं भगवान विमलनाथ के जयकारे

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

कोटखावदा -27 जून - जैन धर्म के बारहवें तीर्थंकर भगवान वासूपूज्य का गर्भ कल्याणक महोत्सव एवं तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमलनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव गुरुवार 27 जून को भक्ति भाव से मनाया गया। इस मौके पर कस्बे सहित आसपास के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए जाकर निर्वाणोत्सव मनाया गया जिसके अंतर्गत जयकारों के बीच निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार प्रातः मंत्रोच्चार के साथ वासूपूज्य एवं विमलनाथ भगवान के जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक किये गए ।तत्पश्चात विश्व में सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए मंत्रोच्चार के साथ शांति धारा की गई। भगवान वासूपूज्य की अष्ट द्रव्य से पूजा करते हुए भगवान वासूपूज्य के गर्भ कल्याणक श्लोक का उच्चारण करते हुए गर्भ कल्याणक अर्घ्य चढाया गया। तत्पश्चात भगवान विमलनाथ की

पूजा की जाकर पूजा के दौरान निर्वाण काण्ड भाषा के वाचन पश्चात मोक्ष कल्याणक का श्लोक ''भ्रमरसाढरसी अति पावनों। विमल सिद्ध भये मनभावनों। गिरिसमेद हरी तित पूजिया। हम जजैं इत हर्ष धरें हिया।।'' बोलकर जयकारों के साथ मोक्ष कल्याणक अर्घ्य एवं निर्वाण लाडू चढाया गया। महाआरती के बाद समापन हुआ। इस मौके पर कोटखावदा के बडा बास स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र में अध्यक्ष महावीर गंगवाल एवं मंत्री दीपक वैद के नेतृत्व में प्रातः 7.30 बजे अभिषेक, शांतिधारा के बाद निर्वाण लाडू चढाया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण शामिल हुए। प्रचार प्रसार संयोजक अमन जैन ने बताया कि अतिशय क्षेत्र बाडा पदमपुरा, अतिशय क्षेत्र छोटा गिरनार बापूगांव, चाकसू के आदीश्वरधाम, रुपाहेडी कलां, काशीपुरा , निमोडिया,दनाऊं कला, महादेवपुरा सहित आसपास के दिगम्बर जैन मंदिरों में विशेष आयोजन किए जाकर निर्वाण लाडू चढ़ायें गये। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि सोमवार, 01 जुलाई को जैन धर्म के इक्कीसवें तीर्थंकर भगवान नमिनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव भक्ति भाव से मनाया जाएगा।

दिगंबर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र, जग्गा की बावड़ी में पार्श्वनाथ भगवान की वेदी पर 8 किलो चांदी का चंदवा भेंट किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

सोमवार को दिगंबर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र,जग्गा की बावड़ी,केशव विद्यापीठ रोड, जयपुर में करीब 500 वर्ष पुरानी भगवान पार्श्वनाथ की अलौकिक प्रतिमा के कमल चरणों की वंदना करते हुए उनकी वेदी पर प्रदीप कुमार ठोलिया ने अपनी 51 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में अपने परिवारजनों-श्रीमती लता ठोलिया, गिरीश ठोलिया,श्रीमती सारिका ठोलिया, तरुण ठोलिया, श्रीमती आम्रपाली ठोलिया, आर्जव ठोलिया,श्रीमती भाविका ठोलिया,श्रीमती धनिष्ठा ठोलिया के साथ 8 किलो चांदी का अत्यधिक मनोरम व कलात्मक चंदवा भेंट किया। इस पावन अवसर पर मंदिर कमेटी के अध्यक्ष दीपचंद चौपड़ायत, मंत्री सुनील बख्शी, संयुक्त मंत्री हेमंत गोदिका, संयोजक पदम संघी,सदस्य सुदीप ठोलिया, नेम कुमार पोडीवाल, श्रीमती साधना गोदिका, अनिल सोनी भी उपस्थित रहे। मंदिर में मौजूद अनेक श्रद्धालु एवं दर्शनार्थी भी इस नयनाभिराम दृश्य को देखकर भाव विभोर हो गए।

श्रीमती अलका सेठी - श्री सुनील सेठी

संगिनी फॉर एवर की धार्मिक मंत्री

को वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक

शुभकामनाएं एवम बधाई

श्री सुनील जी सेठी को सेवानिवृत्ति पर शुभकामनाए

शुभेच्छु: अध्यक्ष: शकुन्तला - महावीर बिंदायकया

सचिव: सुनीता-रमेश गंगवाल

कोषाध्यक्ष: उर्मिला - राकेश जैन

मुनि श्री समत्व सागर जी महाराज एवं मुनि श्री शील सागर जी महाराज का मधुबन जैन मंदिर में हुआ मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर मधुबन टोंक फाटक स्वर्ण जयंती शुभारंभ एवं वार्षिक मेले के अवसर पर आचार्य गुरुवर श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री समत्व सागर जी महाराज एवं शील सागर जी महाराज का मंगल प्रवेश हुआ। कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक अर्पित बड़जात्या ने बताया कि मुनि श्री दुर्गापुरा से विहार करते हुए बैंड बाजे के साथ मधुबन मंदिर पहुंचे जहां पर मधुबन जैन समाज के श्रद्धालुओं ने मुनि संघ की भव्य अगवानी करी एवं मंदिर जी प्रबंध समिति के अध्यक्ष अक्षय जैन मोदी एवं मंत्री अनिल जैन छाबड़ा ने मुनि संघ के पाद प्रक्षालन किया एवं समाज की महिलाओ अपने मस्तक पर मंगल कलश रखकर अगवानी की। मंगल प्रवेश के समय मधुबन जैन समाज के सभी परिवारजन एवं कीर्ति नगर समाज, जनकपुरी जैन समाज, एवं दुर्गापुरा समाज से पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दिगंबर जैन महासमिति टोंक संभाग के प्रकोष्ठ मंत्री

श्री रमेश चंद जैन-श्रीमती मंजू जैन

को दिगंबर जैन महासमिति की ओर से वैवाहिक वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं एवम बधाई

शुभेच्छु: अध्यक्ष शकुंतला विनायका, सचिव सुनीता गंगवाल, कोषाध्यक्ष मधु पांड्याएवम समस्त सदस्य दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल राजस्थान

समदृष्टि क्षमता विकास एवं अनुसंधान मंडल (सक्षम) भीलवाड़ा द्वारा आयोजित की गई हेलेन केलर जयंती

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाडा। समदृष्टि क्षमता विकास एवं अनुसंधान मंडल द्वारा द्वारा विजय सिंह पथिक नगर में हेलेन केलर जयंतीआयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता महावीर शर्मा ने की। चितौड़ प्रांत अध्यक्ष ने सक्षम संस्था के बारे में संभागियों को पूर्ण जानकारी दी। मुख्य अतिथि शंकर लाल माली चितौड़ प्रांत कार्यवाह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सक्षम के कार्यक्रमों के विस्तार किए जाने पर जोर दिया एवं कार्यकर्ताओं को पूर्ण ऊर्जा से काम करने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि सुभाष जैन डायरेक्टर जीतो भीलवाड़ा ने बताया कि सक्षम के काम को भार समझकर न करें अपितु भगवान का आभार प्रकट करे, आप दिव्यांग सेवा कर सके। विशिष्ट अतिथि दीपक विभाग प्रचारक एवम शिव प्रसाद वैष्णव ने हेलेन केलर की जीवनी बताई। कार्यक्रम का संचालन प्रांत सचिव चैतन्य प्रकाश पारीक ने किया। इस अवसर पर मूलचंद पांचाल, सूर्य कुमार बोहरा, प्रभु लाल सुवालका, विजय शंकर शर्मा, अभिषेक पांचाल, नंदकिशोर शर्मा उपस्थित थे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

बाहर की चुनौतियों से लड़ना सीखो : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ का आज शाम को मंगल विहार गांधी नगर की ओर होने जा रहा है। 28 जून 2024 प्रातः 7.30 बजे आर्यिका संघ का लाल कोठी जैन मंदिर में मंगल प्रवेश होना सुनिश्चित है। आर्यिका संघ की आहार चर्या भी लाल कोठी में सम्पन्न होगी। आर्यिका संघ के द्वारा जयपुर की हर कालोनी में धर्म की महती प्रभावना हो रही है। श्राविका चन्दादेवी सेठी ने सपरिवार पूज्य आर्यिका माताजी को वस्त्र भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त किया। इसी क्रम में सकल समाज की महिला वर्ग ने आर्यिका संघ की आहारचर्या निर्विघ्न सम्पन्न करायी। प्रवचन के दौरान श्रद्धालुओं को धर्मोपदेश देते हुए माताजी ने कहा कि - जिसके मन का भाव सच्चा होता है उसका हर काम अच्छा होता है । अगर आप मेहनत को अपनी आदत बना लेते है तो जीवन मे आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता । लोगों को झूठे लोगों में सिर्फ अच्छाई और सच्चे लोगों में सिर्फ बुराई नजर आती है । बाहर की चुनौतियों से तुम तभी लड़ पाओगे जब अपने अंदर की कमजोरियों को अच्छी तरह जान लोगे ।

नारी की सुंदरता साड़ी में झलकती है

महासमिति अजमेर द्वारा संचालित स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम में सिखाया साड़ी को विभिन्न प्रकार से कैसे पहना जाए

अजमेर. शाबाश इंडिया। साड़ी को विभिन्न प्रकार से कैसे पहना जाए यह सिखाया स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम पर जो की छतरी योजना स्थित विद्यासागर तपोवन में संचालित हो रहा है। कार्यक्रम संयोजक एवम महासमिति अजमेर की अध्यक्ष रूप श्री जैन ने कहा कि दिगंबर जैन महासमिति के द्वारा संचालित स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम में बहुत रुझान है, महिलाओं का और बच्चों का। आज ब्यूटीशियन अंजलि के द्वारा भारतीय साड़ी को कितने प्रकार से पहना जाए सिखाया गया। परिंदा सजाओ में बच्चों व बड़ों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया जो कि संजय सेठी के मार्गदर्शन में चल रहा है । दो आयु वर्ग में फर्स्ट सेकंड थर्ड सिलेक्ट किए गए जिन्हें कल समापन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। श्रीमती साधना दनगसिया के द्वारा चलाई गई योगा क्लास में एक साथ तीन पीढ़ियां दादी मम्मी और पोती योग सीख रही है। इससे पता चलता है कि योग के प्रति लोगों का कितना रुझान है। पिंकी द्वारा मेहंदी की नई नई डिजाइन सिखाई जा रही है, जिसमें छोटे-छोटे बच्चों ने इतनी खूबसूरत मेहंदी की कृतियां बनाई है जो देखते ही बनती है श्वेता कटारिया के द्वारा सिखाए गए डांस बहुत ही एनर्जी के साथ लबालब होते हैं । कार्यक्रम में अजय दोसी अनिल गंगवाल राजेंद्र पाटनी विनय गदिया का विशेष सहयोग रहा संस्था की पदाधिकारी अनुभा बाकलीवाल सुनीता गंगवाल रिंकू सेठी कुसुम जैन शैलजा जैन ने सभी फैकल्टी को सुचारू रूप चलने से सहयोग प्रदान किया परिंदा सजाओ के निर्णायक ईशान अग्रवाल थे ,कार्यक्रम का शुभारंभ अनिल दोषी ने दीप प्रजवल्न कर किया।

मानसरोवर में भगवान विमलनाथ जी के मोक्ष कल्याण का निर्वाण लाडू अर्पित किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर जयपुर में श्री दिगंबर जैन समाज समिति वरुण पथ मानसरोवर द्वारा श्री श्री 1008 भगवान विमल नाथ जी के मोक्ष कल्याण के पावन अवसर पर निर्माण लाडू अर्पित किया गया इस अवसर पर तीनों वेदीयो पर विराजमान भगवान के अभिषेक एवं शांतिधारा करने के पश्चात भगवान शान्तिनाथ जी के मोक्ष कल्याण के पावन अवसर पर निर्वाणलाडू पूर्ण विधि विधान एवं मंत्रोचार से अर्पित किया गया निर्माण लाडू के पुण्यार्जक के रूप में समाज सेवी श्रीमती चंदा देवी श्री महेंद्र कासलीवाल, विनेश प्रीती सोगानी, सुधीर अंजली बोहरा, ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में ज्ञान बिलाला,विनेश सोगानी, बिरेश जैन टीटी , अरविन्द गंगवाल, राकेश चांदवाड, अजीत जैन बी ओ बी,विनोद छाबड़ा, पूनम आंधिका, सुधीर बोहरा , दया चंद जैन श्री पाल जैन, विक्की जैन,भंवरी देवी काला, ममता कासलीवाल,, अनिता जैन, कृष्णा जैन, बीना जैन, मुन्ना देवी,कनक लता जैन, अंजू बज,आशा सेठी, सुधा बिलाला, निधी लुहाड़िया,उषा झाझरी, सहित अनेकों साधर्मी बंधु उपस्थित रहे।

सुख और दुख हमारी सोच में है, अगर हम पॉजिटिव सोचते हैं तो सुखी, और नेगेटिव सोचते हैं तो दुखी: आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी

केशवरायपाटन. शाबाश इंडिया। परम पूजनीय भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 स्वस्ति भूषण माताजी ने जीवन में सकारात्मक सोच रखने की बात कही। उन्होने कहा की सुख और दुख हमारी सोच में हैं ! अगर हम पॉजिटिव सोचते हैं तो सुखी और निगेटिव सोचें तो दुःखी ! माताजी ने एक उदाहरण के माध्यम से बताया कि एक महिला टीचर थी वह सुबह से शाम तक कामों में लगी रहती थी स्कूल में जाती थी ! वह अच्छी अच्छी पुस्तकें एकत्र तो करती थी लेकिन समय के अभाव में पढ़ नहीं पाती थी तो मन में विकल्प रहता था ! एक दिन उसके पाँव में फेक्चर हो गया ! पहले तो दुःख हो गया लेकिन मन विचार आया कि अब में पुस्तक पढ़ सकती हूं ! इससे उसको प्रसन्नता भी हो गयी ! इसलिए कहते सोच और भावना अच्छी रखनी चाहिए ! जैसी सोच बनाओ हम वैसे ही हो जायेंगे ! यदि हम किसी का बुरा सोचते हैं तो उसका बुरा हो या ना हो हमारा तो बुरा हो ही जाता है ! और हम किसी का अच्छा सोचें तो उसका अच्छा हो या ना हो हमारा तो अच्छा हो ही जाता है ! धोखा देना बुरा है धोखा खाना बुरा नहीं हैं ! धोखा देने में धोखा देने वाले का बुरा हुआ है धोखा खाने में तुम्हारा बुरा हो ये जरूरी नहीं है ! हमारे चाहने से दुनियां चलती है क्या ? नहीं ! हमारे चाहने से हमारा शरीर चलता है क्या ? नहीं ! जो होना सो होना है !

लायन क्लब जयपुर मेट्रो का सत्र का अंतिम कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

लायन क्लब जयपुर मेट्रो द्वारा सत्र का अंतिम कार्यक्रम आयोजित किया गया। क्लब के मानद सचिव लायन विमल गोलेछा ने बताया कि समारोह में जिन भी लायन मेंबर ने किसी भी क्षेत्र में सेवा कार्य किया उन्हें लायन प्रेसिडेंट वीरेन करोड़िया ने सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। लायन क्लब मेट्रो के कोषाध्यक्ष अनिल जैन ने बताया की जिन लोगो को वैवाहिक वर्षगाँठ जून महा में थी उन सबका सम्मान किया गया। आगामी वर्ष के नये बने सदस्यो का भी सम्मान किया गया और फिर लायन मेंबर्स ने संगीत का आनंद लिया ।

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा जयपुर में भगवान विमल नाथ जी के मोक्ष कल्याणक पर निर्वाण लाडू चढ़ाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा जयपुर में गुरुवार दिनांक 27.06.2024 को मुनिश्री के मंगल प्रवचन से पूर्व मंगलाचरण श्रीमती शशि तोतूका ने किया। श्री108 समत्व सागर जी का पाद प्रक्षालन ट्रस्टीगण एवं समाज श्रेष्ठीजन कर एवं व्रती माताओं ने महिला मण्डल के साथ जिनवाणी भेंट कर पुण्य अर्जित किया। मुनिराज श्री108 समत्व सागर जी ने कार्य और कारण को समझाते हुए बारह भावनाओं की एकत्व भावना पर प्रवचन में कहा की हम सब कारण और कार्य को समझ नहीं रहे। दुख का कारण कषाय और राग द्वेष में प्रवृत्ति से होता है। यदि इनकी उपेक्षा करें और अणुव्रत का पालन करेगें तो दुःख नहीं होगा, तो सच्चे श्रावक कहलायेंगे पाप करेंगे तो अधोगति ही मिलेगी अतः पाप से हर समय बचने के लिए कारण को हटा दें, अर्थात पांच पाप और राग द्वेष से दूर रहें। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी ट्रस्ट दुगार्पुरा के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि भगवान विमल नाथ जी के मोक्ष कल्याणक के पावन दिवस पर श्रद्धालुओं ने निर्वाण लाडू चढ़ाया। मुनिसंघ का विहार सांयकाल 5.30 बजे दुर्गापुरा से पार्श्वनाथ जैन मंदिर मधुबन कालोनी टोंक फाटक जयपुर के लिए हुआ।

व्यापार मंडल हल्दियों का रास्ता के चुनाव निर्विरोध संपन्न

अध्यक्ष पद पर सुरेंद्र बज, राम प्रसाद कारोंडिया महामंत्री निर्वाचित

जयपुर. शाबाश इंडिया। व्यापार मंडल हल्दियो के रास्ते के आगामी सत्र 2024 -2027 के लिए चुनाव, चुनाव अधिकारी अजय यादव , पूर्व चेयरमैन एवं पूर्व पार्षद द्वारा सम्पन्न करवाये गये। व्यापार मंडल के सभी सदस्यों की उपस्थिति में निवर्तमान अध्यक्ष सुरेंद्र बज को व्यापार मंडल का सर्वसम्मति से छठी बार अध्यक्ष चुना गया तथा राम प्रसाद कारोंडिया महामंत्री निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पद पर जय किशन ग्वालानी , पुरुषोत्तम अग्रवाल , अनिल गर्ग मंत्री पद पर रिषभ नागोरी, राकेश अग्रवाल अमरसरिया, नंद किशोर शर्मा एवं कोषाध्यक्ष पद पर राजेंद्र कुमार जैन निर्वाचित घोषित किए गए कार्यकारिणी सदस्य के रूप में गोपाल अग्रवाल ,निर्मल मित्तल , सुरेश बंसल, मदन लाल शर्मा, राजकुमार माखीजा, कैलाश अग्रवाल, प्रकाश लालवानी, निलेश अग्रवाल,महेश लोहिया किशन लाल जिया और बृज किशोर मित्तल निर्वाचित हुए। चुनाव अधिकारी अजय यादव ने बताया सभी चुनाव सर्वसम्मति से निर्विरोध सम्पन्न हुये।